ये अव्यक्त इशारे

निर्मल और निर्मान बन विश्व नव-निर्माण करो

26-07-2023

अल्पकाल के विनाशी मान का त्याग कर स्वमान में स्थित हो, निर्मान बन, सम्मान देते चलो। यह देना ही लेना बन जाता है। सम्मान देना अर्थात् उस आत्मा को उमंग-उल्लास में लाकर आगे करना है। यह सदाकाल का उमंग-उत्साह अर्थात् खुशी का वा स्वयं के सहयोग का खजाना, आत्मा को सदा के लिए पुण्यात्मा बना देता है।

Be humble and construct the new world

Renounce temporary, perishable respect and remain stable in your self-respect. Remain humble and continue to give respect to others. This form of giving becomes a form of receiving. To give respect to others means to put them ahead and put zeal and enthusiasm into them. When you give them the treasures of zeal, enthusiasm, happiness and co-operation all the time, you are made into a charitable soul for all time.